माँ का दर चूमकर

माँ का दर चूमकर, सारे गम भूलकर,
माँ का दर चूमकर, सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया॥

माँ का दर चूमकर, सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया,
दर बदर घूम कर, मैया के द्वार पर,
मैंने झोली फैलाई, मजा आ गया,
माँ का दर चूमकर, सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया॥

सिंह पर बैठ कर माँ भवानी चली,
दुष्ट दानव पे माँ की दुधारी चली,
रण में संहार कर, दुष्टों को मार कर,
मुण्डमाला बनाई, मजा आ गया,
माँ का दर चूमकर, सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया॥

माँ की कृपा के बादल बरस जायेंगे,
सबके बिगड़े मुकद्दर संवर जायेंगे,
बात बन जायेगी, झोली भर जायेगी,
माँ से आशा लगाई, मजा आ गया,
माँ का दर चूमकर, सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया॥

आसरा इस जहाँ में मिले ना मिले,
माँ के दर पे पदम को ठिकाना मिले,
आ गये द्वार माँ, कर दो उपकार माँ,
माँ की महिमा को गाई, मजा आ गया,
माँ का दर चूमकर, सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24321/title/maa-ka-dar-choomkar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |